बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग-1—कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

मंगलवार, तिथि 15 मार्च, 1983 ।

विषय-सूची ।

	पृष्ठ
प्रश्नों के मौखिक उत्तर :	
अल्पसूचित प्रश्नोत्तर संख्या 2 ।	1—4
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 218, 219 ।	5—24
परिशिष्ट (प्रश्नों के लिखित उत्तर)—	25—65
दैनिक निबन्ध	67—68

टिप्पणी—किन्हीं मन्त्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है ।

विश्राम-गृह का निर्माण ।

*213. श्री सूरज मण्डल—क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि संथालपरगना जिला के हंसडीहा में देवघर, भागलपुर, दुमका एवं गोड्डा से आने-जाने वाली सभी बसों का महत्वपूर्ण ठहराव है;

(2) क्या यह बात सही है कि यात्रियों को हंसडीहा में बरसात एवं गर्मी के दिनों में काफी मुसीबतों का सामना विश्राम-गृह नहीं रहने के कारण करना पड़ता है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार यात्रियों की सुविधा के लिये एक विश्राम-गृह वहाँ बनाने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

श्री मोईदूर रहमान—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(2) यात्रियों की सुविधा के लिए एक यात्री ठहराव शेड है ।

(3) जहां अभी स्टैन्ड स्थित है वहां सभी जमीन लोक निर्माण विभाग की है । उनसे पत्राचार किया जा रहा है कि जनहित के दृष्टिकोण से कुछ जमीन दें । जमीन मिलने पर नया विश्राम-गृह बनाया जा सकता है ।

श्री सूरज मंडल—माननीय मन्त्री ने यह बताया कि जमीन के लिए पत्राचार किया जा रहा है तो मैं सरकार से यह जानना चाहूँगा कि जहां पर बुकींग आफिस है वहां पर आज से तीन वर्ष पहले विश्राम-गृह बनाने के लिए दिया गया है और वह जमीन पी० डब्लू० डी० की है ?

श्री मोईदूर रहमान—इसकी सूचना नहीं है ।

श्री सूरज मंडल—मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ कि वहां बुकींग आफिस के बगल में जमीन उपलब्ध है और वह जगह एक स्टेशन के रूप में है, जंक्शन के रूप में है, वहां तमाम के यात्री आते हैं, उनकी सुविधा के लिए कितने दिनों के अन्दर विश्राम गृह बनाने का सरकार विचार रखती है ?

श्री मोईदूर रहमान—माननीय सदस्य को अब यह जानकारी है कि वहां पर जमीन उपलब्ध है तो शीघ्र ही विश्राम-गृह बना दिया जायगा ।